हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 28 | देहरादून, शनिवार, 16 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08+16 (विशेषांक)=24

विशेषांक

उत्तराखंड 2025 में खेलों में भी बनेगा आदर्श राज्य : मुख्यमंत्री

16 पन्नों का विशेषांक अंदर के पेजों पर देखें

कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव का सीएम ने स्वयं टीका लगाकर किया शुभारम्भ

महात्मा गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महात्मा गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय में कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव का स्वयं टीका लगाकर शुरूआत की। प्रदेश में 18 से 59 आयुवर्ग के सभी लाभार्थियों हेतु निशुल्क प्रिकाशन डोज की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी लाभार्थियों से टीकाकरण में सहयोगी बनने को कहा। उन्होंने कहा कि कोविड की रोकथाम के लिये टीकाकरण जरूरी है। राज्य सरकार द्वारा इसके लिये सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री एवं सचिव स्वास्थ्य रहे कार्यक्रम में मौजूद

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के विरूद्ध लड़ाई में वैक्सीनेशन ही हमारा सबसे बड़ा हथियार है, सभी प्रदेशवासी जो भी 18 वर्ष से ऊपर है वो सभी कोविड प्रीकॉशन डोज अभियान का हिस्सा बनकर कोविड वैक्सीन अवश्य लगवाएं और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना महामारी का डटकर मुकाबला किया। उनके नेतृत्व में भारत में कोविड वैक्सीनेशन का महाअभियान चलाया गया, साथ ही मानवता का परिचय देते हुए दुनिया भर में भारत द्वारा वैक्सीन बांटने का कार्य भी किया गया। कोरोना महामारी कम अवश्य हुई है परन्तु अभी खत्म नही हुई है, अभी भी बचाव, जागरूकता, साफ-सफाई एवं वैक्सीनेशन द्वारा ही इससे बचा जा सकता है।

पुराने मुद्दे को नए अंदाज़ में लेकर सड़कों पर उतरी महिला कांग्रेस की टीम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मंहगाई के मुद्दे को एक बार फिर कांग्रेस ने मुद्दा बनाया है। लेकिन इस बार रंग और ढंग थोड़ा अलग है। देहरादून की सड़कों पर थाली और शंख बजाती , तख्तियां लेकर पेट्रोल , सब्जी और गैस के दाम पर ज़ोरदार नारा लगाती उतरी उत्तराखंड महिला कांग्रेस की सेना ... हम अब महिलाएं सड़कों पर उतर चुकी हैं और एक मजबूत विपक्ष की आवाज़ बनकर केंद्र और राज्य सरकार के जागने तक हल्लाबोल करते रहेंगे ये कहना है प्रदेश महिला कांग्रेस की तेज़तर्रार अध्यक्षा ज्योति रौतेला ने , जिनके नेतृत्व में शुक्रवार को देहरादून की सबसे व्यस्त सड़क पर सैकड़ों महिला नेत्रियों ने हांथों में शंख , थाली और सर पर फलों और सब्जियों की टोकरी लेकर मंहगाई के खिलाफ जमकर हल्लाबोल किया है। घंटाघर से गाँधी पार्क तक निकले इस अनोखे विरोध प्रदर्शन और आक्रोश से भरी

रैली में जहाँ दिलचस्प व्यंग करते नज़ारे दिखाई दिए तो वहीँ महिला कांग्रेस की नेत्रियों ने ज़ोरदार नारेबाजी कर अपनी एकजुटता भी दिखाई है।

उत्तराखंड महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला इस अनोखे विरोध प्रदर्शन के दौरान खुद रिक्शे पर रखी स्कूटी पर हांथों में तख्ती और सर पर पार्टी का झंडा लगाकर मंहगाई के बढ़ते प्रकोप का असर दिखाई नज़र आई है। उन्होंने कहा कि रसोईं में खाने की चीजों पर मंहगाई ने डाका डाला है तो डीजल पेट्रोल और रसोई गैस ने आम माध्यम और निम्न वर्ग की कमर ही तोड़ दी है। भाजपा ने जनता को जिन हांथों से झूठे वादे का फ़ज़ी लॉलीपॉप थमाया था , आज वो राज्य सरकार हो या केंद्र की सरकार दोनों ने बेरोज़गारी , महगाई और आम जनता के मुद्दों पर ठेंगा दिखा रही है। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर अब चुप नहीं रहेंगे और सड़कों पर संघर्ष करेंगे।

राजधानी देहरादून की सड़कों पर हुए इस अजब गजब विरोध प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान भी खूब आकर्षित किया। इस दौरान उत्तराखंड महिला कांग्रेस की सभी वरिष्ठ नेत्रियों ने बढ़ चढ़ कर रैली में हिस्सा लिया और प्रदेश की मातृशक्ति की ताकत का राज्य सरकार को एहसास कराया है।

65 वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण शामिल होंगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन के परिसर में भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के साथ बैठक आहुत की । इस दौरान उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भी बैठक में प्रतिभाग किया । इस अवसर पर 20 से 26 अगस्त तक हैलिफ़ैक्स, कनाडा में अयोजित होने वाले 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन से संबंधित जानकारियों से अवगत कराने के लिए लोकसभा अध्यक्ष द्वारा ब्रीफिंग की गई ।

आपको बता दें कि 20 अगस्त से कनाडा में आयोजित होने वाले 65 वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण भी भाग लेंगी । लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष मौजूद थे। इस बैठक में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन से संबंधित मुद्दों सहित भारत में विधायी निकायों के कामकाज से जुड़े मुद्दों के बारे में चर्चा की गई, इनमें विधायिकाओं में व्यवधान, विधायी प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी और विधायिकाओं में नियमों और प्रक्रियाओं में एकरूपता जैसे विषय शामिल रहे। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने 20 से 26 अगस्त 2022 तक हैलिफ़ैक्स, कनाडा में आगामी 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन को लेकर ब्रीफिंग दी । उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में सतत विकास, नवीन प्रौद्योगिकी के उपयोग, महिलाओं से संबंधित मुद्दों, युवाओं और जलवायु परिवर्तन आदि के क्षेत्र में संसद की भूमिका पर चर्चा की जायेगी ।

15 अगस्त की छुट्टी खत्म, यूपी के बाद उत्तराखंड पर नज़र

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हो सकता है कि जल्द ही धामी सरकार भी वही आदेश जारी कर दे जो पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जारी किये हैं। अगर ऐसा होता है तो जो लोग सरकारी अsवकाश में घर परिवार के संग हॉलिडे मनाने की सोच रहे हैं उनके लिए बुरी खबर है। इस बार यूपी की तरह हो सकता है कि उत्तराखंड में भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अवकाश न रहे । आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर देशभर में जश्न मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में यूपी सरकार ने यह फैसला लिया है। ऐसे में इस बाद 15 अगस्त को प्रदेश में कोई भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सरकारी या गैर सरकारी कार्यालय और बाजार बंद नहीं रहेंगे। बता दें, 15 अगस्त 2022 को देश की आजादी के 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। इस खास मौके पर देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

Day उत्तर प्रदेश में आजादी के अमृत महोत्सव की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत इस बार सभी स्कूल और संस्थानों पर सफाई का कार्यक्रम आयोजित होगा। 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाएगा। इसमें सभी घरों, सरकारी, गैर-सरकारी कार्यालयों और संस्थाओं में सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

12 जुलाई 2022 को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उनके सरकारी आवास पर अमृत महोत्सव के संबंध में गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई थी। इस दौरान उन्होंने संस्कृति विभाग के सामुदायिक रेडियो जयघोष के थीम सॉन्ग और 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी किया था। इसी के बाद ये अनुमान लगाया जा रहा है कि उत्तराखंड सरकार भी बड़े भाई की राह पर चलते हुए यहाँ भी कुछ ऐसा आदेश जारी कर दे क्योंकि ये महापर्व केंद्र की मोदी सरकार का सबसे बड़ा आयोजन है।

कांवड़ यात्रा को लेकर MHA ने जारी की एडवाइजरी, हरिद्वार ऋषिकेश अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

धार्मिक आयोजनों में बड़ा अवसर होता है कांवड़ यात्रा , जिसकी शुरुआत हो गई है। सावन की शुरुआत के साथ ही भोले के भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा से पहले गृह मंत्रालय की ओर से राज्य सरकार को एडवायजरी जारी की गई है और कहा गया है कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को बढ़ा दिया जाए क्योंकि कांवड़ यात्रा पर कुछ कट्टरपंथियों हमला कर सकते हैं। खुफिया विभाग के इनपुट की रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय ने यह एडवायजरी कई राज्यों को जारी की है। यह एडवायजरी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश के लिए जारी की गई है और कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया जाए।

रेलवे बोर्ड ने भी जारी की एडवायजरी – इसके साथ ही रेलवे बोर्ड ने भी ट्रेनों की सुरक्षा को बढ़ाने का निर्देश दिया है। एडवायजरी के अनुसार बड़ी संख्या में पुलिसबल को कांवड़ यात्रा के दौरान तैनात किया जाना चाहिए। बता दें कि सावन माह की शुरुआत के पहले ही दिन से कांवड़ यात्रा की शुरुआत होती है। कड़ी सुरक्षा के बीच भगवान शिव के भक्तों की कांवड़ यात्रा की शुरुआत हुई और कांवड़िए हरिद्वार गंगा का जल लेने के लिए पहुंचे।

कई राज्यों के कांवड़िए पहुंचेंगे हरिद्वार-ऋषिकेश

बता दें कि कोरोना के चलते कांवड़ यात्रा दो साल तक नहीं हो सकी थी। दो साल के अंतराल के बाद कांवड़ यात्रा को एक बार फिर से शुरू किया जा रहा है।प्रशासन का अनुमान है कि तकरीबन चार करोड़ कांवड़िए हरिद्वार पहुंचेंगे। कई राज्यों उत्तर प्रदेश के कांवड़िए दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान से हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचते हैं, वो यहां गंगाजल इकट्ठा करते हैं और भगवान शिव को अपने इसे चढ़ाते हैं।

सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था

बड़ी संख्या में भक्तों की इस यात्रा को देखते हुए हरिद्वार और ऋषिकेश को सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है, ड्रोन तैनात किए गए हैं, सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। बॉम्ब डिस्पोजल टीम, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉट को मेला क्षेत्र में तैनात किया गया है। हरिद्वार और आसपास के इळाकों को 12 सुपर जोन, 31 जोन, 133 सेक्टर में बांटा गया है और यहां 10 हजार जवानों को तैनात किया गया है।

आप सभी को सांस्कृतिक धरोहर एवं उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला की हार्दिक शुभकानाएं। हरेला पर्व सम्पन्नता, हरियाली एवं पर्यावरण को समर्पित है। आइये, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करें, ताकि हमारी भावी पीढ़ी को एक हरा-भरा उत्तराखण्ड मिले। इस अनूठी परम्परा को आगे बढ़ाने में हम सबको मिलकर प्रयत्न करना होगा, ताकि एक स्वच्छ व सुन्दर भविष्य की कल्पना साकार हो सके।

जय हिन्द-जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

धरती पर हरियाली हो
जीवन में खुशहाली हो
आओ सब मिलकर पेड़ लगाएं

पर्यावरण सुरक्षित तो हम सुरक्षित

उत्तराखण्ड का लोकपर्व
एवं पर्यावरण को समर्पित

हरेला

16 जुलाई, 2022

की समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष 2022-23

हरेला पर्व पर वृक्षारोपण का लक्ष्य:	पूरे वर्ष वृक्षारोपण का लक्ष्य:	पूरे वर्ष फलदार वृक्षारोपण का लक्ष्य :
6 लाख 38 हजार	**2 करोड़ 25 लाख 23 हजार**	**45 लाख 5 हजार**

पर्यावरण का संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी। | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

गर्व की बात : देश की टॉप टेन शिक्षण संस्थान में 7वें नंबर पर IIT रुड़की

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आईआईटी यानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की को देश की नामचीन संस्थानों में गिना जाता है.इस बार भी आईआईटी रुड़की शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों की भारत रैंकिंग 2022 में टॉप टेन में शामिल हुआ है. इस सूची में आईआईटी रुड़की को सातवां स्थान हासिल हुआ है.दरअसल, शिक्षा मंत्रालय ने शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों की भारत रैंकिंग 2022 (India Rankings 2022) की सूची जारी कर दी है. जिसमें आईआईटी मद्रास ने पहला स्थान हासिल किया है. जबकि, आईआईटी बेंगलुरु दूसरे और आईआईटी बॉम्बे तीसरे स्थान पर रहे. वहीं, इस सूची में आईआईटी रुड़की भी शामिल है.जिसने सातवां स्थान हासिल किया है. जो उत्तराखंड के लिए गर्व की बात है.आईआईटी रुड़की के 175 वर्ष पूरे होनेपर केंद्र सरकार जारी करेगी ₹175 का विशेषसिक्काः आईआईटी रुड़की के 175 वर्ष पूरे होनेपर केंद्र सरकार 175 रुपये का विशेष सिक्का लॉन्च करेंगी.

ये आईआईटी रुड़की के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी. इस 35 ग्राम वजनी सिक्के में 50 प्रतिशत चांदी होगी.आईआईटी समारोह कमेटी के चेयरपर्सन अरुण कुमार ने बताया कि 35 ग्राम वजन के इस सिक्के में 50 प्रतिशत चांदी और 40 प्रतिशत तांबा के साथ पांच-पांच प्रतिशत निकल व जस्ता का मिश्रण होगा. सिक्के पर अशोक स्तंभ, सत्यमेव जयते के साथ-साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भी लिखा होगा.वहीं,इस उपलब्धि पर आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो.ऐ के चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार का आभार जताया और कहा कि ये आईआईटी के लिए बड़े गौरव की बात है कि 175 साल पूरे होने पर केंद्र सरकार 175 रुपये का आकर्षिक विशेष सिक्का जारी करेगी. सिक्के की विशेषताः आईआईटी समारोह कमेटी के चेयरपर्सन अरुण कुमार के मुताबिक, 44 मिलीमीटर गोलाई के इस सिक्के के मुख्य भाग पर IITरुड़की के मुख्य प्रशासनिक भवन जेम्स थॉमसन इमारत का फोटो होगा. इस फोटो के निचले हिस्से में 175 वर्ष लिखा होगा. इसके साथ ही ऊपरी व निचले हिस्से पर अंग्रेजी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान लिखा होगा.वहीं, जेम्स थॉमसन इमारत के नीचे एक ओर 1847 और दूसरी ओर 2022 लिखा होगा. उन्होंने बताया इसके अलावा सिक्के के दूसरी तरफ अशोक स्तंभ के नीचे सत्यमेव जयते और रुपये के चिह्न के साथ 175 लिखा होगा. एक ओर हिंदी में भारत व दूसरी तरफ अंग्रेजी में इंडिया लिखा होगा. अरुण कुमार ने बताया सिक्के की अनुमानित कीमत करीब चार हजार रुपये के आसपास होगी.

सभी विधायक राष्ट्रपति मतदान तक देहरादून में रहेंगे : संसदीय कार्यमंत्री

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर 16 जुलाई मुख्य सेवक सदन में होनी है विधायकगणों की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य के संसदीय कार्यमंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने आगामी 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति मतदान के दृष्टिगत सभी विधायकों से दिनांक 16 जुलाई से देहरादून में ही रहने का आग्रह किया है। मंत्री डा. अग्रवाल ने बताया कि एनडीए से राष्ट्रपति चुनाव में श्रीमति द्रौपदी मुर्मू जी उम्मीदवार है। इसी संदर्भ में 16 जुलाई (शनिवार) को मुख्यमंत्री आवास के मुख्य सेवक सदन में शाम सात बजे एक बैठक का आयोजन किया गया है। इसमें सभी विधायकगणों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

डा. अग्रवाल ने बताया कि 17 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के तहत मॉक ड्रिल की जाएगी। इसमें भी सभी विधायकगणों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। डा. अग्रवाल ने सभी विधायकगणों से आग्रह किया है कि 16 जुलाई से 18 जुलाई राष्ट्रपति मतदान तक देहरादून में ही ठहराव करें। मतदान के पश्चात की देहरादून से अपने-

अपने क्षेत्र में जाएं। आपको बता दें कि बीते 11 जुलाई को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमति द्रौपति मुर्मू ने देहरादून पहुंचकर सांसदों और विधायकों के साथ बैठक कर समर्थन हासिल किया था।

एसटीएफ उत्तराखंड ने दिल्ली से दबोचा पेट्रोल पंप डकैती का वांटेड अपराधी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मैनेजर जय अंबे फिलिंग स्टेशन नलखेड़ा अनंतपुरा ने अप्रैल में थाना भगवानपुर पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, दिनांक 18-04-2022 को सुबह 4 अज्ञात बाइक सवार बदमाशों द्वारा तमंचे के बल पर उनके पेट्रोल पंप में घुसकर डकैती की गई। सूचना के आधार पर थाना भगवानपुर पर घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई।इस लूटकांड के बारे में अब हरिद्वार पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए घटना के षड्यंत्र में शामिल दिल्ली निवासी 4 सह अभियुक्तों 1- आकाश,2- शिवकुमार,3- सलमान,4-आशीष को पूर्व मे को गिरफ्तार किया जा चुका था।

इन चारों अभियुक्तों द्वारा उक्त घटना करने में मुख्य अभियुक्तों की मदद की थीएवं मुख्य अभियुक्तों के साथ घटना का षड्यंत्र रचा गया था।उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्तों की पूछताछ के आधार पर पेट्रोल पंप पर की गयी डकैती की वारदात में 4 अभियुक्तों के नाम पते प्रकाश में आए थे जिनके द्वारा पेट्रोल पंप पर लूट की गई थी।

इन चारों अभियुक्तों के संबंध में जानकारी करने परपता चला कि, चारों शातिर किस्म के अपराधी हैं जिनका दिल्ली में गोगी गैंग से सम्बन्ध हैं एवं दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा में कई घटनाओं में सम्मिलित रहे हैं। यही नहीं आगे मालूम हुआ कि उक्त मे से दो मुख्य अपराधी 1- मोहित उर्फ अतुल उर्फ मोटू एवं 2- सन्नी काकरान उर्फ पतलू जो कि उत्तर प्रदेश मेरठ से

भी एक-एक लाख के इनामी थे की नोएडा पुलिस टीम द्वारा तलाश कर रही थी, घटना मे संलिप्त चौथा अभियुक्त सरबजीत उर्फ राजा लगातार फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक STF के निर्देशानुसार इनामी अपराधियों की धरपकड़ में STF टीम को सूचना प्राप्त हुई कि पेट्रोल पंप डकैती का मुख्य अभियुक्त राजा पुत्र सरबजीत जो घटना के बाद बिहार भाग गया था एवं आजकल नरेला के आसपास ही अपने किसी रिश्तेदार के यहां पर रह रहा है।

इस अभियुक्त राजा की गिरफ्तारी हेतु STF टीम द्वारा पेट्रोल पंप डकैती में बीते 4 महिने से फरार/वाँछित अभियुक्त राजा पुत्र सरबजीत निवासी नरेला दिल्ली को 14 जुलाई को नई दिल्ली नरेला से गिरफ्तार किया गया।अभियुक्त राजा शातिर किस्म का अपराधी है जिसके द्वारा संगीन वारदातों को अंजाम दिया जाता रहा है एवं यह गोगी गैंग का सक्रिय सदस्य है।

बच्चों का जीवन स्वस्थ हो और उन्हें उचित पोषण मिले : मुख्यमंत्री

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अक्षय पात्र, फाउण्डेशन, द हंस फाउण्डेशन तथा शिक्षा विभाग के सहयोग से 63वें केन्द्रीयकृत मिड-डे-मील किचन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्कूलों के बच्चों को मिड-डे-मील पहुचांने के लिए वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूल के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। बच्चों ने इस दौरान अपनी जिज्ञासाओं को पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री से सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने बच्चों की सभी जिज्ञासाओं को पूरा किया। केन्द्रीयकृत किचन के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक छोटी बच्ची को गोद में लेकर दुलार किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार, अक्षय पात्र फाउण्डेशन एवं हंस फाउण्डेशन के सामुहिक प्रयासों से बच्चों को उच्च गुणवत्तायुक्त एवं पौष्ठिक भोजन की शुरूआत हुई है। अभी इस मिड-डे-मील की शुरूआत 120 स्कूलों के 15 हजार से अधिक बच्चों के लिए की गई है। आने वाले समय में इसे 500 से अधिक स्कूलों के 35 हजार से अधिक बच्चों के लिए केन्द्रीयकृत किचन के माध्यम से भोजन की व्यवस्था की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों का जीवन स्वस्थ हो और उन्हें उचित पोषण मिले इसके लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हंस फाउण्डेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। कोरोना काल में प्रदेश में जरूरतमंदों को हर संभव मदद हंस फाउण्डेशन द्वारा दी गई, जिसके लिए मुख्यमंत्री ने हंस फाउण्डेशन के प्रणेता भोले जी महाराज एवं मंगला जी माता का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षयपात्र फाउण्डेशन ने भी देवभूमि में सेवा भाव के कार्यों का शुभारम्भ किया है, जिसके लिए उन्होंने अक्षयपात्र फाउण्डेशन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि अक्षय पात्र, फाउण्डेशन, द हंस फाउण्डेशन तथा शिक्षा विभाग के सहयोग से जो केन्द्रीयकृत किचन का शुभारम्भ किया गया है। प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों को स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन परोसा जायेगा।

राज्य में पांच लाख से अधिक बच्चों को सरकार द्वारा मध्यान भोजना उपलब्ध कराया जाता है। डॉ0 रावत ने कहा कि हंस फाउंडेशन एवं अक्षय पात्र फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से आज राज्य में दूसरी एकीकृत रसोई की शुरूआत की गई है, इससे पहले गदरपुर में एकीकृत रसोई का संचालन शुरू कर दिया गया है। राज्य सरकार एक से लेकर बाहरवीं कक्षा तक के बच्चों को निःशुल्क किताब, बस्ता, उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही स्कूलों में हर प्रकार की व्यवस्था कर रही है ताकि बच्चों को पठन-पाठन में कोई परेशानी न हो। डॉ0 रावत ने बताया कि एक माह में 22 लाख बच्चों को निःशुल्क दवा उपलब्ध की गई। स्कूल खुलने पर बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा साथ ही उन्हें मुफ्त दवा भी दी जायेगी। कार्यक्रम हंस फाउण्डेशन की संस्थापक भोले जी महाराज, माता मंगला जी, अक्षय पात्र फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन चंचलापति दास, विधायक एवं पूर्व शिक्षा मंत्री अरविंद पाण्डे, विधायक सहदेव पुण्डीर, मुन्ना सिंह चौहान, सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम, शिक्षा महानिदेशक वंशीधर तिवारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सावधान पॉलीथिन कूड़े के तेजी से बढ़ते ढेर कहीं ना बन जाए नए कोरोनावायरस का आमंत्रण पत्र

यह तो हम सबको ही पता है कि पॉलिथीन अगर कूड़े में डाली जाए तो वह सालों साल नष्ट नहीं होती है इस प्रकार यही पॉलिथीन एक के ऊपर एक जमने के कारण कूड़े के ढेर पुराने होते जाते हैं आपके आसपास बढ़ते हुए कूड़े के यह बढ़ती बीमारियों का कारण है। क्या अभी हमने कभी यह सोचा है कि हर साल कोरोनावायरस क्यों अपने पैर पसार रहा है कहीं आपके आसपास बढ़ते हुए कूड़े के यह ढेर ही तो इस कोरोनावायरस का आमंत्रण पत्र का कारण नहीं है ? यह बात हमें खुद भी समझनी होगी और आसपास के छोटे बड़े बूढ़े सभी लोगों को समझाना होगा, जिससे कि वह निरंतर सफाई में अपना योगदान दे सकें। लोगों में भी हमें यह जागरूकता फैलाने होगी कि एक बार सफाई होने के बाद उसे हमें लगातार बनाए रखना है उसके लिए हमें सड़क पर ब आस-पास के परिसर में कोई भी तरह का नहीं डालना है ऐसा करने पर उन्हें भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

अपने परिसर को साफ रखना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए हर नागरिक को जागरूक होना होगा। हर नागरिक देश की सफाई में अपना योगदान देगा तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश में विदेश की भांति स्वच्छ और साफ हो जाएगा और वातावरण जीवन के लिए सबसे हानिकारक से पॉलिथीन मुक्त होगा।

हमें खुद पॉलिथीन यूज करने से तो खुद को रोकना ही है और साथ ही साथ में मार्केट में जो उत्पाद पॉलिथीन में आ रहे हैं जैसे रोज बिकने वाले चिप्स,मैंगी, कोल्ड ड्रिंक पानी की बोतलें आदि को भी खरीदने से खुद को रोकना होगा (क्योंकि यही सामान सबसे ज्यादा प्रयोग में लाया जाता है और प्रतिदिन इससे कूड़े के ढेर में पॉलिथीन इकट्ठी होती जाती है) तभी इसकी विक्रेता इस सामान को पॉलिथीन में ना रख कर उसके विकल्प के साथ उसे बेचना शुरू करेंगे।

जहां तक मेरी साइकिल जाएगी, वहां तक...टीबी चैंपियन

जहां तक मेरी साइकिल जाएगी, वहां तक टीबी की जागरुकता फैलाने का कार्य करता रहूंगा। यह बात टीबी चैंपियन कमलेश कुमार, टीयू, सहसपुर ने कही। जो कि एमडीआर टीबी से ग्रसित रहे जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद टीबी पर विजय पायी और आज वह रीच संस्था के माध्यम से टीबी से ग्रसित लोगों के घर साइकिल से जाकर जागरुरकता फैला रहे हैं तथा इससे प्रभावित लोगों को दवाई उपलब्ध कराने के साथ प्रोत्साहित करने का भी कार्य कर रहे हैं। कमलेश का एक ही उद्देश्य है जिस तरह से उन्हें टीबी जैसी घातक बिमारी का सामना करना पड़ा, वैसा किसी और को न करना पड़े। साथ ही टीबी से संक्रमित व्यक्ति को हर संभव मदद दी जा सके, यही उनके जीवन का महत्वपूर्ण लक्ष्य बन चुका है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन नियंत्रण कार्यक्रम एवं रीच संस्था के समन्वय से एन.एच.एम. के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा बैठक के दौरान रीच संस्था द्वारा प्रदेश के पांच जनपदों देहरादून, पौड़ी, हरिद्वार, उधम सिंह नगर व नैनीताल में चलाए जा रहे यूनाइट टू एक्ट, टीबी को समाप्त करने के लिए सामुदायिक कार्रवाई को बढ़ाने के लिए प्रस्तुतिकरण दिया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य टीबी सर्वाइवर की कार्यक्षमता का विस्तार करना तथा उनके माध्यम से समुदाय में टीबी उन्मूलन हेतु कार्य करना है।

कार्यक्रम के आरंभ में रीच संस्था की यूनाइट टू एक्ट कार्यक्रम की प्रमुख श्रीमती इस्मिति द्वारा उत्तराखंड में चलाए जा रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का विवरण दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदेश के पांच जनपदों में 52 टीबी चैंपियन, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं। जिससे

तकरीबन 4,653 टीबी से ग्रस्त लोगों को लाभ मिला है। साथ ही उन्होंने बताया कि इन टीबी चैंपियन्स के माध्यम से बीमारी से ग्रसित लोगों को प्रोत्साहित करते हुए, इससे संबंधित सावधानियां टीबी से प्रभावित मरीजों को बताते हैं एवं टीबी के दौरान इलाज में निरंतरता बनाए जाने पर जोर देते हैं।

कार्यक्रम में टीबी चैंपियन हिना परवीन, अरुण कुमार, कनक, किरन थापा द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम के दौरान रीच संस्था द्वारा बनाया गया आईईसी पोस्टर का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएचएम, निदेशक द्वारा कहा गया टीबी उन्मूलन हेतु टीबी चैंपियनों का सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने रीच संस्था से अनुरोध किया की वह ज्यादा से ज्यादा टीबी सर्वाइवर लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़े ताकि उत्तराखंड को टीबी मुक्त बनाया जा सके। साथ ही टीबी को लेकर जो आम-जनमानस के बीच भ्रांतियां है उन्हें दूर किया जा सके। एनएचएम के प्रतिनिधियों ने टीबी पर विजय प्राप्त किए हुए टीबी सर्वाइवरस के जज्बे, हिम्मत को सराहा साथ ही इन्हे सक्षम करने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

साइबर सेल चमोली ने लौटाई चेहरे पर मुस्कान पीडितों की शिकायत का झटपट किया समाधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस अगर चाह ले तो अपराधियों तक पहुँच ही जाती है। अफसर अगर ठान ले तो समस्याओं का समाधान निकाल ही लेते हैं। उत्तराखंड पुलिस की ऐसी ही तेज़ तर्रार और साइबर पोलिसिंग में कमाल का नतीज़ा दे रही एसपी स्वेता चौबे ने एक बार फिर पीड़ित लोगों के चेहरे पर संतुष्टि की मुस्कान लौटाई है।

पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने साइबर अपराध के मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल चमोली को ऐसे सभी मामलों में त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने व उनसे ठगी गयी राशि को तत्काल वापस कराने के आदेश दिए हैं। यही वजह है कि चमोली में आईपीएस श्वेता चौबे के कुशल निर्देशन और क्षेत्राधिकारी साइबर नताशा सिंह के नेतृत्व में साइबर सेल ने पीड़ित राजन भण्डारी की शिकायत पर तेज़ कार्यवाही कर मामले का खुलासा किया है। गोपेपेश्वर के रहने वाले राजन ने शिकायत की थी कि उनके द्वारा गूगल पर Flipkart कस्टमर केयर नम्बर सर्च किया गया, तथा अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन्हें Anydesk एप्प डाउनलोड करने हेतु

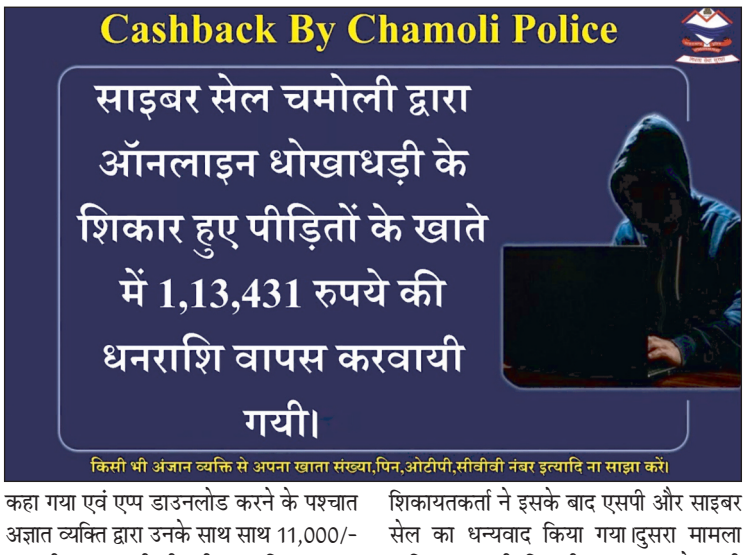

कहा गया एवं एप्प डाउनलोड करने के पश्चात अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके साथ साथ 11,000/- रू0 की साइबर ठगी की गयी, उक्त शिकायत पर साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, सम्बन्धित कम्पनी से पत्राचार कर तकनीकी सहायता से पीड़ित व्यक्ति के खाते में 9,528/- रू0 की धनराशि वापस कराई गयी, शिकायतकर्ता ने इसके बाद एसपी और साइबर सेल का धन्यवाद किया गया।दुसरा मामला साहिल कण्डारी निवासी मायापुर, कोतवाली चमोली का है जिन्होंने साइबर सेल चमोली को जानकारी दी कि किसी अन्जान व्यक्ति द्वारा खुद को Meesho Customer Care से बताकर अंजान लिंक भेजकर लिंक पर क्लिक करने हेतु कहा गया एवं उनके द्वारा अंजान लिंक पर क्लिक करने पर उनके खाते से क्रमशः 18,865/- व 36038/- रू0 (कुल 54,903/- रू0) कट गये एवं वह साइबर ठगी का शिकार हो गये। उक्त शिकायत पर साइबर सेल द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित कम्पनी से पत्राचार कर एवं तकनीकी सहायता से उक्त व्यक्ति के खाते में 54,903/- रू0 की धनराशि वापस कराई गयी।

सतपाल महाराज की दो फोटो एक समान है हरे जैकेट वाली , एक को बदल कर दूसरी लगेगी

तीसरा मामला है राम सिंह जो गोपेश्वर के रहने वाले हैं उन्होंने थाना गोपेश्वर पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया जिसमें उनके द्वारा जानकारी दी गयी किसी अन्जान व्यक्ति द्वारा फोन कॉल कर खुद को परिचित बताकर गूगल पे के माध्यम से उन्हें पैसे भेजने की बात कहकर उनके साथ 49,000/- रू0 की साइबर ठगी की गयी है। इस शिकायत पर उ0नि0 कुलदीप कण्डपाल और साइबर सेल ने तत्काल कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित कम्पनी से पत्राचार कर एवं तकनीकी सहायता से पीड़ित व्यक्ति के खाते में 49,000/- रू0 की धनराशि वापस कराई गयी। ये वो कुछ ऐसे सफल केस हैं जिनका यहाँ जिक्र किया गया है। चमोली पुलिस साइबर सेल द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही व धोखाधड़ी की रकम मात्र 2 से 3 दिन में वापस मिलने पर पीडितों ने जहाँ एसपी श्वेता चौबे का शुक्रिया किया है वहीँ साइबर सेल की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका पैंसा वापस मिलेगा परन्तु साइबर सेल टीम द्वारा त्वरित औऱ समयबद्ध कार्यवाही कर जो रहत और न्याय दिलायाउसके लिए चमोली पुलिस को सौ सौ बार धन्यवाद है।

अपील ◆ किसी अज्ञात व्यक्ति के कॉल और मैसेज से सावधान रहें।◆ किसी के भी कहने पर रिमोट एक्सेस एप्प कम्प्यूटर या फोन में डाउनलोड न करें।◆ किसी भी अंजान व्यक्ति को रिमोट एक्सेस एप्प के जरिए अपने कंप्यूटर,डिवाइस,फोन का एक्सेस न दें।◆ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन सहायता हेतु गूगल पर कभी भी कस्टमर केयर नंबर सर्च ना करें।◆ अंजान लिंक पर कभी भी क्लिक ना करें, जानकर बने फ्रॉड का शिकार होनें से बचें।◆ जागरूक बनें एवं अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें।◆ यदि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार होता है तो तत्काल नजदीकी थाना एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

भारत के वन महानिदेशक ने वन कीट विज्ञान संग्रहालय का उद्घाटन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में कीट विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र का उद्घाटन चंद्र प्रकाश गोयल, महानिदेशक एवं विशेष सचिव, वन, पयार्वरण एवं जलवायु परिवतर्न मंत्रालय, सत्य प्रकाश यादव, अतिरिक्त वन महानिदेशक (एफ0सी0), श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् एवं डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान की उपस्थिति में किया गया। सुश्री जी.एस. उमा, वैज्ञानिक, वन संरक्षण प्रभाग द्वारा संग्रहालय के संबंध मे महानिदेशक फॉरेस्ट को विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होने बताया कि वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में यह संग्रहालय देश के सबसे पुराने कीट- विज्ञान संग्रहालयों में से एक है, जिसे औपचारिक रूप से 1930 में शुरू किया गया था एवं वतर्मान में इसका जीणोद्धार किया गया। इसमें लगभग 2000 प्रदशर्निंयां (म्गीपइपज) हैं, जिनमें बीज, पौधे और लकड़ी के नमूने, विभिन्न कीटों, पौधों की सुरक्षा के उपकरण, विभिन्न प्रकार के कीटो के जाल, महत्वपूणर् गणों के कीट नमूने और वानिकी प्रजातियों के प्रमुख कीट

शामिल है, जो कीटों से होने वाले नुकसान की प्रकृति को दशार्ते हैं।

संग्रहालय का मध्य भाग कीटो के प्राकृतिक आवास को दशार्ता है : संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री रामबीर सिंह वैज्ञानिक-ई ने अन्य अन्वेषकों के साथ प्रौद्योगिकी प्रदशर्न केंद्र में प्रदशिर्त प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। उन्होने बताया कि वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून में एक प्रौद्योगिकी प्रदशर्न केंद्र, देहरादून विकसित किया गया है। यह वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून और भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून के अन्य संस्थानों जैसे शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, तथा इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट जेनेटिक्स एंड ट्री ब्रीडिंग, कोयंबटूर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रदशिर्त करता है।

संपादकीय

तमिलनाडु की राजनीति में हलचल

दिवंगत जयललिता की पार्टी एआइएडीएमके (अन्ना द्रमुक) में बिखराव स्पष्ट रूप से सामने है. पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी ने 'अम्मा' की विरासत पर कब्जा कर लिया है. इस पार्टी के दो करोड़ काडर हैं और इसमें कोई परिवारवाद और वंशवाद नहीं है. ऐसे में सवाल है कि आखिर बिखराव क्यों हुआ. इसका उत्तर सरल हैः दो जातियों- थेवर और गाउंडर- के बीच जारी लड़ाई. पलानीस्वामी गाउंडर जाति से आते हैं. अन्ना द्रमुक के दूसरे प्रमुख नेता ओ पनीरसेल्वम हैं, जो थेवर जाति से हैं. तमिलों के लिए यह आंतरिक लड़ाई नयी बात नहीं है. लेकिन जयललिता के विराट व्यक्तित्व के कारण पलानीस्वामी व पनीरसेल्वम पार्टी के भीतर ही झगड़ते थे, जैसे कभी मध्य प्रदेश में कांग्रेस में सिंधिया, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच तनातनी चलती थी. जयललिता और करुणानिधि जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद से तमिलनाडु की राजनीति बड़े बदलावों से गुजर रही है. यदि किसी को इस राज्य की राजनीति को समझना है, तो उसे वहां की प्रभावशाली जातियों के बारे में जानना चाहिए. छह बड़ी जातियों में से थेवर समुदाय को अन्ना द्रमुक का करीबी माना जाता है. अन्ना द्रमुक के कमजोर होने से द्रमुक को अल्पकालिक लाभ मिल सकता है, पर द्रमुक को भी यह चिंता करनी चाहिए कि अन्ना द्रमुक द्वारा खाली की गयी विपक्ष की जगह पर कौन सी राजनीतिक शक्ति काबिज होगी. हाल तक पार्टी को पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम संयुक्त रूप से चला रहे थे, जो भारतीय राजनीति में एक अनूठा प्रयोग था, पर अब पलानीस्वामी ने अन्ना द्रमुक का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है और पनीरसेल्वम को निष्कासित कर दिया है. इन दोनों नेताओं ने वीके शशिकला को बाहर रखने के लिए हाथ मिलाया था, जो उस समय जेल में थीं. साल 2016 में जयललिता की मौत के बाद शशिकला ने पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली थी, पर फरवरी, 2017 में उन्हें चार साल की जेल हो गयी. पर अगर इतिहास के आधार पर देखा जाए, पार्टी के नेतृत्व की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है. भले ही पार्टी कमिटियों ने एक फैसला ले लिया है, लेकिन पनीरसेल्वम अपनी ताकत का परीक्षण काडरों के बीच कर सकते हैं. पार्टी के भीतर के त्रिकोणीय संघर्ष में पलानीस्वामी ने खेल कर दिया है. इस पार्टी के भीतर होनेवाली हलचलों जैसे उदाहरण भारतीय राजनीति में बहुत ही कम हैं. ये दोनों नेता एक समय शशिकला की पसंद रह चुके हैं. जब जयललिता मरणासन्न थीं, तो पनीरसेल्वम उनके चयनित उत्तराधिकारी के रूप में मुख्यमंत्री पद के लिए पहली पसंद थे, क्योंकि दो अवसरों पर जयललिता उन्हें कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बना चुकी थीं. शशिकला को बाहर करने के बाद पलानीस्वामी ने सरकार पर अपनी पकड़ मजबूत की और उनके समर्थकों को अपने पाले में लाकर पनीरसेल्वम को हाशिये पर धकेल दिया. जयललिता की मृत्यु के बाद सुपरस्टार रजनीकांत उस जगह को लेना चाहते थे, पर उन्हें द्रमुक ने धमका कर राजनीति में आने से रोक दिया. इस प्रकरण के राजनीतिक कारणों का पता कई स्थानीय नेताओं को है.

गैस सिलेंडर का रंग क्यों होता है लाल ? हर देश में है अलग रंग

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत में लगभग हर घर में खाना बनाने के लिए एपीजी गैस का उपयोग होता है। देश में एलपीजी वितरण का काम कई कंपनियां करती हैं, लेकिन इन सब में एक बात कॉमन होती है। वह है इसके द्वारा ग्राहकों को दिए जाने जाने वाले सिलेंडिर की डिजाइन और उसका रंग। भारत में घरेलू उपयोग में इस्तेमाल किए जाने वाले सिलेंडर का रंग लाल होता है। वैसे हर देश में सिलिंडर का रंग अलग-अलग होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि, सिलेंडर का रंग लाल क्यों होता है। इसे लाल कलर से रंगे जाने के पीछे की वजह क्या हो सकती है। आज हम आपको इन्ही सारे सवालों के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

आमतौर पर घर में इस्तेमाल किया जाने वाले सिलेंडर लाल रंग के होते हैं। व्यापारिक इस्तेमाल वाले सिलिंडर नीले रंग के होते हैं। उसके बीच में लाल रंग की पट्टी होती है। भारत में सिलिंडर के लाल रंग की कोई खास वजह नहीं है। फिर भी माना जाता है कि दृश्य स्पेक्ट्रम में लाल रंग के प्रकाश की तरंगदैर्घ्य सबसे अधिक होती है। इसलिए सिलेंडर को लाल रंग से पोता जाता है। लाल रंग की वजह से ये दूर से भी दिखाई देता है। लाल रंग का प्रयोग किसी भी ऐसी चीज के लिए किया जाता है जो खतरनाक हो। एलपीजी ज्वलनशील गैस होती है और इसके परिवहन में खतरा है। लाल रंग को दूर से देखा जा सकता है।

भारत में जहां एलपीजी के लिए लाल सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं चीन में एलपीजी गैस हरे रंग के सिलेंडर में भरी जाती है। इसके अलावा सिंगापुर, श्रीलंका नीले रंग के एलपीजी सिलेंडर का इस्तेंमाल किया जाता है। वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और बांग्लदेश में एलपीजी सिलेंडर का रंग नारंगी होता है। थाईलैंड समेत कई देशों में ग्रे कलर का एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल होता है। अमेरिका में घरेलू गैस को प्रोपीन कहा जाता है। ये भूरे रंग के सिलेंडर में दी जाती है।वहीं ब्रिटेन में खाना बनाने वाले गैस सिलेंडर का रंग मैरून होता है।

सावन में इन चीजों को खरीदना माना गया है बेहद शुभ, मां लक्ष्मी और शिवजी की रहती है विशेष कृपा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सावन का महीना शुरू हो गया है, इस साल सावन 12 अगस्त तक चलने वाला है. इस दौरान 4 सोमवार पड़ेंगे. सावन का पहला सोमवार 18 जुलाई को है. जबकि सावन का आखिरी सोमवार 08 अगस्त को पड़ेगा. सावन (Sawan) में शिव जी की पूजा (Shiv Puja) से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है. ज्योतिष शास्त्र (Astrology) में कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है, जिन्हें सावन (Sawan 2022) के दौरान खरीदना बेहद शुभ है. मान्यता है कि इन चीजों को खरीदकर नियम के मुताबित इस्तेमाल करने से भगवान शिव (Lord Shiva) के साथ-साथ मां लक्ष्मी (Maa Lakshmi) की कृपा भी प्राप्त होती है. आइए जानते हैं कि सावन में किन चीजों को खरीदना शुभ माना गया है.

सावन में इन चीजों को खरीदना होता है शुभ

रुद्राक्ष- धार्मिक मान्यता के अनुसार, रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है. सावन के दौरान शुभ मुहूर्त में रुद्राक्ष खरीदकर घर लाने से जीवन में तरक्की होने की मान्यता है. इसके अलावा सावन में रुद्राक्ष धारण करने से मन शांत रहता है और हृदय रोग का खतरा नहीं रहता है.डमरू- सावन में भगवान शिव की स्तुति करना अत्यंत शुभ फलदायी होता है. शिव जी की पूजा में डमरू बजाने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं. साथ ही भक्तों की हर इच्छा पूरी करते हैं. शिवलिंग- शिवलिंग (Shivling) को भगवान शिव का प्रतीक माना गया है. ऐसे में सावन में घर के मंदिर के लिए छोटा सा शिवलिंग खरीद सकते हैं. घर के लिए शिवलिंग खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह 2 इंच से बड़ा ना हो. इसके अलावा घर में रखे हुए शिवलिंग की नियमित पूजा करना अनिवार्य होता है. ऐसे में भक्तों को इस नियम का पालन करना चाहिए.चांदी का कड़ा- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन में चांदी का कड़ा खरीदना बेहद शुभ होता है. धार्मिक मान्यता है कि सावन मास में चांदी का कड़ा खरीदने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है. साथ ही शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है.चंदी की डिब्बी- धार्मिक मान्यता के अनुसार घर में शिवजी की भस्म रखना शुभ होता है. इसे घर में रखने से दरिद्रता दूर होती है. ऐसे में इसके लिए एक चांदी के डिब्बी में भस्म रख लें और पूजा के दौरान रोजाना मस्तक पर लगाएं. ऐसा करने से भगवान शिव का आशीर्वाद बना रहता है.

31 जुलाई तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करें, जानिए क्यों है यह जरूरी और क्या है फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आखिरी तारीख नजदीक है. किसी भी जुर्माने से बचने के लिए करदाताओं को समय सीमा समाप्त होने से पहले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अपना आईटीआर ऑनलाइन जमा करना होगा. जिन व्यक्तियों और वेतनभोगी कर्मचारियों के खातों को ऑडिट करने की आवश्यकता नहीं है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31
जुलाई है.जिन करदाताओं के खातों का ऑडिट करने की आवश्यकता है, उनके लिए समय सीमा 31 अक्टूबर है. हम हमेशा ही इस बात पर जोर देते हैं कि आप समय सीमा से पहले अपना आई-टी रिटर्न फाइळ कर लें.... लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने से क्या फायदा होता है.

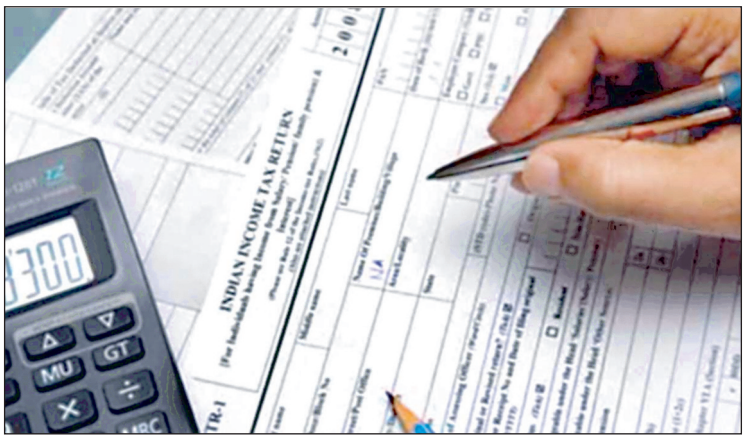

समय पर आईटीआर दाखिल करने के फायदेः

जुर्माना से बचें

नियत तारीख तक आईटीआर दाखिल नहीं करने पर आयकर नियमों के अनुसार ₹10,000 का जुर्माना या फिर दूसरे परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं. आईटीआर फाइलिंग में देरी से आयकर अधिनियम 1961 की धारा 234ए के तहत देय कर(Payable tax) पर ब्याज भी लग सकता है.

कानूनी कार्रवाई - देरी या चूक के मामले में आयकर विभाग आपको एक नोटिस भेज सकता है और आपकी कानूनी परेशानियों को बढ़ा सकता है. यदि I-T विभाग नोटिस के जवाब से असंतुष्ट रहता है और उचित आधार पाता है तो कानूनी मामला भी चल सकता है.

आसान लोन अप्रूवल

आयकर रिटर्न दाखिल करने में एक साफ ट्रैक रिकॉर्ड होने से ऋणदाताओं को ऋण स्वीकृत करना आसान हो जाता है. ऋण आवेदन के मामले में, बैंकों को उधारकर्ताओं को अपनी आय के प्रमाण के रूप में आईटीआर विवरण की एक प्रति प्रदान करने की आवश्यकता होती है.किसी भी औपचारिक ऋण अनुमोदन के लिए आयकर रिटर्न एक अनिवार्य दस्तावेज होता है. जो व्यक्ति टैक्स रिटर्न दाखिल नहीं करते हैं उन्हें संस्थागत उधारदाताओं से कर्ज लेने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ सकता है.

कैरी फॉरवर्ड लॉस

आयकर नियम के मुताबिक, नियत तारीख से पहले आईटीआर दाखिल करने के मामले में नुकसान को अगले वित्तीय वर्ष में कैरी फॉरवर्ड करने की अनुमति होती है. इससे टैक्स-पेयर को भविष्य की आमदनी की अपनी कर देयता (Tax Liability) को कम करने की अनुमति मिलती है.

वीजा जल्दी मिलता है

अधिकांश दूतावासों को वीजा के लिए आवेदन करते समय व्यक्तियों को अपना आईटीआर इतिहास जमा करने की आवश्यकता होती है. टैक्स फाइलिंग का साफ-सुथरा ट्रैक रिकॉर्ड होने से वीजा आवेदन की प्रक्रिया आसान हो जाती है.

दक्षिण भारत के विशालकाय मंदिरों के लिए IRCTC लाया है टूर पैकेज

न्यूज वायरस नेटवर्क

IRCTC Tour Packageः आजकल मौसम बेहद सुहाना है और दक्षिण की ओर घूमने निकलने का इससे बेहतर शायद ही कोई समय होगा. खासकर अगर आप भक्ति-भाव से दक्षिण के विशाल मंदिरों (Temples) के दर्शन करना चाहते हैं तो IRCTC का यह टूर पैकेज ले सकते हैं. इस पैकेज में आपको कांचीपुरम, महाबलीपुरम, बालाजी मंदिर, वेल्लोर, पुडुचेरी, श्रीकालाहस्ती और तिरुपति के मंदिरों में दर्शन करने का मौका मिलेगा. यह जगहें बेहद खूबसूरत और प्राकृतिक छटा से सराबोर भी हैं जहां आप भक्ति और रोमांच दोनों ही अनुभव कर सकते हैं.

IRCTC का यह स्पिरिचूअल साउथ विद पुडुचेरी एक्स भोपाल टूर (Spiritual South with Puducherry EX Bhopal) 5 रातें और 6 दिन का है जहां कांचीपुरम, महाबलीपुरम, बालाजी मंदिर, वेल्लोर, पुडुचेरी, श्रीकालाहस्ती और तिरुपति के मंदिरों में ले जाया जाएगा. इस टूर की कीमत 29,500 रुपए से शुरू है. साथ ही, मील में नाश्ता और डिनर शामिल है.पहले दिन भोपाल से फ्लाइट 8 बजकर 5 मिनट पर निकलेगी और 10:45 तक चेन्नई तक पहुंचेगी, जिसके बाद सभी यात्रियों को होटल में ले जाया जाएगा.दूसरे दिन चेन्नई (Chennai) से सड़क यात्रा कर पोंडिचेरी पहुंचा जाएगा और उसके बाद तीसरा दिन वहीं बीतेगा.चौथे दिन पोंडिचेरी, कांचीपुरम, वेल्लोर और तिरुपति मंदिरों के दर्शन होंगे.इसके बाद पांचवे दिन श्रीकालाहस्ती के मंदिरों के बाद तिरुपति लौटा जाएगा.तिरुपति से फिर छठे दिन भोपाल वापस आकार यात्रा का अंत होगा.पैकेज में मिलने वाली सुविधाएंइस पकेज में जाने और आने की फ्लाइट इकोनोमी क्लास की होगी.AC बसों या अन्य वाहनों से सड़क यात्रा होगी. लेकिन, तिरुमला में बिना AC का वाहन मिलेगा. 5 ब्रेकफास्ट और 4 डिनर मिलेंगे.मंदिर दर्शन के लिए APTDC गाइड सिर्फ तिरुपति में ही मिलेगा.जीएसटी लागू होगा.बालाजी दर्शन के लिए स्पेशल एंट्री टिकेट, पद्मावती मंदिर दर्शन के लिए टिकेट और श्रीकालाहस्ती मंदिर दर्शन के लिए टिकेट मिलेगी. पैकेज में क्या नहीं मिलेगाएयरपोर्ट तक घर से आने-जाने की सुविधा नहीं मिलेगी.सुबह की चाय, शाम की चाय और लंच नहीं मिलेगा.होटल में टिप, टेलीफोन के बिल, कपड़े धोने या निजी चीजों को खरीदने की सुविधा नहीं दी जाएगी.अलग से कोई मील नहीं दिया जाएगा.किसी और ऐतिहासिक जगह की टिकट नहीं मिलेगी.

पौधारोपण करना प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज वायरस नेटवर्क

भारतीय जनता पार्टी मंडल श्यामपुर की ओर से हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर वृहद स्तरीय पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक ने शिरकत करते पौधरोपण किया और हरेला पर्व का महत्व बताया।शुक्रवार को गौहरीमाफी स्थित एक प्लॉट में वृहद स्तरीय पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है और पेड़ों पर प्रकृति निर्भर रहती है। कहा कि पौधारोपण करना प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन है। कहा कि एक पौधा रोपने से.असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है।डा. अग्रवाल जी ने कहा कि हरेला पर्व पर्यावरण संरक्षण का त्यौहार है। ऋग्वेद में भी हरियाली

के प्रतीक हरेला का उल्लेख किया गया है। कहा कि हरेला त्यौहार की प्रसिद्धि आज की युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम भी कर रही है। डा. अग्रवाल ने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरती को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस मौके पर दो दर्जन से अधिक फलदार व छायादार पौधे रोपे गए। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति से अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करने का आवाहन किया गया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्यामपुर गणेश रावत, महामंत्री रवि शर्मा, भूपेंद्र रावत, सोशल मीडिया प्रभारी राजेश जुगलान, मीडिया प्रभारी नीलम चमोली, गौहरीमाफी प्रधान रोहित नौटियाल, रायवाला प्रधान सागर गिरी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष समा पंवार, उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुरंग, महामंत्री पुनीता भंडारी, अनुसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष बबीता कमल कुमार, सुरेंद्र सिंह रावत, सुमन रावत, आशीष जोशी, गौतम राणा, दीपक जुगलान, कमल कुमार, विष्णु थापा, आयुष रावत, राजवीर सिंह रावत सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा